

सरसिका टाइगर रज़िर्व से बाहर नकिला बाघ

चर्चा में क्यों?

माना जा रहा है कि राजस्थान के [सरसिका टाइगर रज़िर्व](#) से भटककर आया एक नर [बाघ](#) हरियाणा के रेवाड़ी में मसानी बैराज के पास एक गाँव में देखा गया है।

- बाघ की पहचान **ST-2302** के रूप में की गई है।

मुख्य बटु:

हरियाणा और राजस्थान की [वन तथा वन्यजीव](#) टीम मलिकर तीन वर्ष के बाघ पर नज़र रख रही हैं।

स्थिति की नगिरानी करते हुए, **अधिकारी** बाघ के मानव-आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश करने की स्थिति में **किसी भी अप्रयि घटना को रोकने के लिये सावधानी बरत रहे हैं।**

सरसिका टाइगर रज़िर्व

- सरसिका टाइगर रज़िर्व [अरावली पहाड़ियों](#) में स्थिति है और राजस्थान के अलवर ज़िले का एक हस्तिा है।
- सरसिका को वर्ष **1955** में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषति किया गया था और बाद में वर्ष **1978** में इसे बाघ अभयारण्य घोषति किया गया , जसिसे यह भारत के [प्रोजेक्ट टाइगर](#) का हस्तिा बन गया।
- **कंकरवाड़ी कलि रज़िर्व के केंद्र में स्थिति है** और कहा जाता है कि भुगल बादशाह औरंगज़ेब ने अपने भाई दारा शकिोह को सहिासन के उत्तराधिकार के संघर्ष में इस कलि में कैद कर लिया था।

नोट:

- **कालेसर राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य:**
 - यह सविलकि तलहटी पर स्थिति है। यह राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड) और सविलबारा राष्ट्रीय उद्यान (हिमाचल प्रदेश) से सटा हुआ है।
- **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान:**
 - यह गुरुग्राम से 15 किली. दूर स्थिति एक [रामसर साइट](#) है।
 - यह पार्क प्रवासी पक्षियों के लिये प्रसदिध है।
- **भडिावास वन्यजीव अभयारण्य:**
 - यह मानव नरिमति मीठे जल की आर्द्रभूमि है।
- **हरियाणा के अन्य वन्यजीव अभयारण्य:**
 - मोरनी हलिस (खोल-हाय-रायतान) वन्यजीव अभयारण्य और बीर शकिारगढ़ वन्यजीव अभयारण्य शविलकि पहाड़ियों में स्थिति है।
 - चलिछलिा झील वन्यजीव अभयारण्य (सयिँथी रज़िर्व वन) कुरुक्षेत्तर ज़िले में।
 - झज्जर ज़िले में खापरवास वन्यजीव अभयारण्य।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Ix2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

